

Date: 14.09.2026

|                                                                                                                                                                 |                                                                                                                                                                                                 |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| To<br>Sr. General Manager<br>Department of Corporate Services<br>BSE Limited<br>Phiroze Jeejeebhoy Towers<br>Dalal Street Mumbai - 400001<br>Scrip Code: 540358 | To<br>Sr. General Manager<br>Listing Department<br>National Stock Exchange of India Limited<br>Exchange Plaza, C-1, Block G<br>Bandra Kurla Complex Bandra (E), Mumbai - 400 051<br>Symbol: RMC |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

**Subject- Newspaper advertisement regarding notice of postal ballot and remote e-voting to members**

**Ref: Regulation 30 and 47 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("Listing Regulations")**

Dear Sir/Madam,

Pursuant to Regulation 30 and Regulation 47 of Listing Regulations we submit herewith the copies of newspaper advertisement published by the Company in all India edition of Financial Express [English Newspaper] and in Rajasthan Edition of Business Remedies [Hindi Newspaper] on September 13, 2026 regarding notice of the Postal Ballot and remote E-voting to seek approval of the members of the company, in compliance with Section 108 and 110 of the Companies Act, 2013 read with Rule 20 and 22 of The Companies (Management and Administration) Rules, 2014, as amended and Regulation 44 of the Listing Regulations.

This will also be hosted on the website of the company at [www.rmcindia.in](http://www.rmcindia.in)

You are requested to take the above information on records.

Thanking You,

Yours Faithfully  
For and on behalf of

RMC Switchgears Limited

**SHIVANI**  
**BAIRATHI**  
Digitally signed by  
SHIVANI BAIRATHI  
Date: 2026.09.14  
10:07:45 +05'30'

**Shivani Bairathi**  
**Compliance Officer & Company Secretary**  
**Membership No.- A42636**

Encl: As above



**CIN : L25111RJ1994PLC008698**

**Corp. Office :** B-11 (B&C), Malviya Industrial Area, Jaipur-302017 (Rajasthan)

**Regd. Office & Factory :** Khasra No. 163, 164, Village-Badodiya, Tehsil-Kotkhawada, District- Jaipur, Rajasthan-303908



# विशाखापट्टनम में 41वें आईएटीओ वार्षिक कन्वेंशन में एफएचटीआर ने आरडीटीएम और एमटीएम का प्रचार किया

देशभर के ट्रेवल ट्रेड प्रतिनिधियों को आयोजन में शामिल होने का दिया आमंत्रण, आरडीटीएम और एमटीएम के पोस्टर का विमोचन

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के प्रतिनिधिमंडल ने विशाखापट्टनम में आयोजित 41वें इंडियन एसोसिएशंस ऑफ टूर ऑपरेटर्स (आईएटीओ) वार्षिक कन्वेंशन में भाग लिया। इस अवसर पर एफएचटीआर की ओर से आगामी राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) और मारवाड़ ट्रेवल मार्ट (एमटीएम) के पोस्टर का विमोचन किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने देशभर से आए ट्रेवल ट्रेड प्रतिनिधियों को दोनों आयोजनों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। एफएचटीआर प्रतिनिधिमंडल ने



कन्वेंशन में राजस्थान के पर्यटन क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न अवसरों और आगामी राजस्थान डोमेस्टिक ट्रेवल मार्ट (आरडीटीएम) और मारवाड़ ट्रेवल मार्ट (एमटीएम) का प्रतिनिधित्व एफएचटीआर के वाइस प्रेसिडेंट एवं आईएटीओ के को-चेयरमैन, महेंद्र सिंह राठौड़ ने किया। इस दौरान सीनियर एडिशनल डायरेक्टर, पर्यटन विभाग, राजस्थान

सरकार, आनंद त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि आरडीटीएम और एमटीएम का उद्देश्य राजस्थान के पर्यटन उत्पादों को देश के विभिन्न बाजारों तक पहुंचाना और राज्य के होटल व्यवसायियों, ट्रेवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स तथा अन्य पर्यटन हितधारकों के

बीच व्यावसायिक संपर्क को मजबूत करना है। कार्यक्रम में आईएटीओ के प्रेसिडेंट रवि गोसाईं, आईएटीओ के सीईओ राहुल चक्रवर्ती, आईएटीओ के पास्ट प्रेसिडेंट राजीव मेहरा, आईएटीओ के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट रजनीश केशरता, आईएटीओ के वाइस प्रेसिडेंट संजय राजदान, आईएटीओ के कोषाध्यक्ष, दीपक भटनागर,

## 2033 तक भारत की स्पेस इकोनॉमी 4.22 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है : रिपोर्ट

नई दिल्ली | एजेंसी

नीतिगत सुधारों, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और अंतरिक्ष आधारित सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण भारत की स्पेस इकोनॉमी 2033 तक बढ़कर 4.22 लाख करोड़ रुपए (44 अरब डॉलर) तक पहुंच सकती है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ईवाई और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के जरिए किए गए सुधारों और न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) की भूमिका ने सरकारी नेतृत्व वाले अंतरिक्ष कार्यक्रम से अधिक उद्योग-केंद्रित इकोसिस्टम की ओर बदलाव की नींव रखी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुमानित वृद्धि हासिल करने के लिए अगले 7-8 वर्षों में सरकारी एजेंसियों, उद्योग, स्टार्टअप्स, निवेशकों,

अकादमिक संस्थानों और रणनीतिक उपयोगकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। जानकारी के अनुसार देश के स्पेस सेक्टर को तेजी से बढ़ाने के लिए रिपोर्ट में कार्रवाई के लिए छह प्रमुख प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में अंतरिक्ष आधारित एप्लिकेशन के इस्तेमाल को बढ़ाना, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और लॉन्च क्षमता को मजबूत करना, नियामकीय और वित्तीय माहौल में सुधार, व्यावसायिक इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सरकारी मांग का लाभ उठाना, रक्षा और रणनीतिक अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करना और भारत को वैश्विक स्पेस पार्टनर और स्पेस एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करना शामिल है। इसके अलावा, पूरी स्पेस वैल्यू चेन में सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग, लॉन्च व्हीकल, प्रोपल्शन सिस्टम और एवियोनिक्स जैसी अपस्ट्रीम गतिविधियां शामिल हैं। इसके बाद मिडस्ट्रीम सेगमेंट में ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर

और सैटेलाइट ऑपरेशंस आते हैं, जबकि डाउनस्ट्रीम एप्लिकेशंस में अर्थ ऑब्जर्वेशन (ईओ), सैटेलाइट कम्युनिकेशन, नैविगेशन सेवाएं और जियोस्पेशियल एनालिटिक्स शामिल हैं। सीआईआई नेशनल कमिटी ऑन स्पेस के चेयरमैन मल्लवरूप अप्पावर ने कहा कि भारत का स्पेस सेक्टर वैज्ञानिक खोज के कार्यक्रम से आगे बढ़कर सैटेलाइट आधारित सेवाओं और एप्लिकेशंस से समर्थित इनोवेशन-ड्रिवन इकोनॉमी बन गया है। ईवाई इंडिया में एगरोस्पेस, डिफेंस एंड स्पेस के पार्टनर सीडीआर गौतम नंदा ने कहा कि विकास के अगले चरण के लिए औद्योगिक क्षमता बढ़ाना, तकनीकों का व्यावसायीकरण करना, सप्लाई चेन मजबूत करना और सैटेलाइट से मिलने वाले डेटा को व्यावसायिक, सार्वजनिक और रणनीतिक क्षेत्रों के लिए उपयोगी सेवाओं में बदलना महत्वपूर्ण होगा।

## 23वें आर्केसिया फोरम का जयपुर में समापन, जयपुर की ऐतिहासिक धरोहरों के बीच पहुंचा आर्केसिया फोरम, हैरिटेज वॉक में दिखी वास्तुकला की समृद्ध विरासत

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ आर्किटेक्चर्स (आईआईए) द्वारा आयोजित और आर्किटेक्ट तुषार सोगानी द्वारा कन्वेंड 23वें आर्केसिया फोरम का जयपुर में समापन हुआ। फोरम में एशिया भर से 2,000 से अधिक आर्किटेक्चरल प्रोफेशनल्स, एजुकेटर्स, स्टूडेंट्स और डिजाइन प्रैक्टिशनर्स ने भाग लिया। 23वें आर्केसिया फोरम के तहत आयोजित हैरिटेज वॉक में देश-विदेश से आए आर्किटेक्ट्स ने जयपुर की समृद्ध स्थापत्य विरासत को करीब से जाना। प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक इमारतों, हवेलियों और पारंपरिक वास्तुकला की खूबसूरती को देखा। इस दौरान उन्होंने शहर के इतिहास, संस्कृति और विरासत संरक्षण की जरूरतों को भी समझा और अनुभव साझा किए।

इवेंट में 1,500 से अधिक इंडियन डेलीगेट्स और लगभग 600-700 इंटरनेशनल डेलीगेट्स ने शिरकत किया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम ने बिल्ट एनवायरनमेंट के भविष्य को लेकर क्रॉस-बॉर्डर डायलॉग, नॉलेज एक्सचेंज और कोलेबोरेशन के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म तैयार किया। की-नोट एड्रेसेस, टेक्निकल सेशंस, एक्जीकुटिव्स, स्टूडेंट इंस्टॉलेशंस, अवॉर्ड्स और कॉम्पिटिशन के माध्यम से फोरम ने आर्किटेक्टर के तेजी से बदलते लैंडस्केप पर चर्चा की।



जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और नई टेक्नोलॉजीज आर्किटेक्चरल प्रैक्टिस को बदल रही हैं, वहीं क्लाइमेट चेंज , कल्चरल आइडेंटिटी और सोशल नोड्स आर्किटेक्चर में कनेक्स्ट और ह्यूमैनिटी पर नए सिरे से फोकस की मांग कर रहे हैं। कीनोट सेशन 'मोर देन वर्नेक्युलर— आर्किटेक्चरल ह्यूमैनिटी इन द ऐज ऑफ एआई' में आर्किटेक्चरल डिजाइन पर आर्टिफ़ीसियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव और इस सवाल पर चर्चा हुई कि प्रोफेशन ऑटोमेशन को अपनाते हुए अपनी ह्यूमन डायमेंशन को किस तरह बनाए रख सकता है। सिडनी से शांघाई तक के इंटरनेशनल वर्क के उदाहरणों के माध्यम से सेशन में एआई-ड्रिवेन डिज़ाइन, रोबॉटिक फ़ैब्रिकेशन और ह्यूमन-मशीन कोलेबोरेशन को ऐसे टूल्स के रूप में देखा गया, जो आर्किटेक्चर में ह्यूमन वॉइस को रिलेस करने के बजाय उसे एक्सटेंड कर सकते हैं। डिस्कशन में ऐसे भविष्य की कल्पना की गई जहां

टेक्नोलॉजी बॉर्डर्स के पार बीलॉगिंग के नए फॉर्म तैयार कर सके, साथ ही कल्चरल प्लरालिटी , ह्यूमन कनेक्शन और सेंस ऑफ प्लेस को भी बनाए रखे। इन्वेन्शनल सेशन 'हीट, विंड, शेड : डिजाइनिंग बिल्डिंग्स दैट ब्रीथ' में गर्मी, नमी , धूल , बारिश और सीजनल एक्सट्रीम्स के प्रति आर्किटेक्चर की रिसॉन्स पर चर्चा की गई। ओरिएंटेशन , शेडिंग , कोर्टयार्ड्स , नेचुरल वेंटिलेशन और पैसिव कूलिंग जैसे एग्रेगेचेस को क्लाइमेट-रेस्पॉन्सिव डिजाइन के महत्वपूर्ण टूल्स के रूप में रेखांकित किया गया। फोरम में आर्किटेक्चरल एजुकेशन के भविष्य पर भी चर्चा हुई। 'ट्रिचिंग द ग्राउंड ब्रेकिंग डिजाइन एजुकेशन मोर रियल' सेशन ने आर्किटेक्चरल एजुकेशन को मैटेरियल्स , लेबर, क्लाइमेट , कम्युनिटीज और कंस्ट्रक्शन की ग्राउंड रियलिटीज से अधिक क्लोज़ली कनेक्ट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। रिसर्च , फ़ील्डवर्क, मैपिंग , प्रोटोटाइपिंग



जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

ARCH कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस का 24वाँ दीक्षांत समारोह आज कॉलेज परिसर में अत्यंत गरिमा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। समारोह में विभिन्न डिजाइन कार्यक्रमों के स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को उपाधियाँ और सम्मान प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए:- कॉन्वोकेशन के की-नोट स्पीकर, विजय गोलछा, कांफाउण्डर एवं डॉपरेक्टर, गोलचा ज्वेल्स। डॉ. राहुल मिश्रा, स्टेट डॉयरेक्टर, केवीआईसी, MSME, Govt. of India. रजत वर्मा, असिसटेंट डॉयरेक्टर, DCH, Jaipur इस समारोह में बिनोय



थुमुनकल, डॉयरेक्टर इन्टरनेशनल, आर्च, सिद्धार्थ मोहनती, कॉओर्डिनेटर, आर्च एवं समस्ट फेलल्टी एवं स्टॉफ उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन के डॉयरेक्टर अर्चना सुराणा ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने डिजाइन क्षेत्र में उभरते अवसरों, नवाचार, उद्यमिता और रचनात्मक नेतृत्व पर अपने विचार साझा किए। ARCH की निदेशक आर्चना सुराना ने दीक्षांत समारोह के अवसर पर कहा कि 'डिजाइन केवल एक कौशल नहीं, बल्कि सोचने, देखने और समाज में परिवर्तन लाने का तरीका है। हमारे विद्यार्थी आज केवल

## भारत के कुल कोयला उत्पादन में एसईसीएल का योगदान 17 प्रतिशत है : सरकार

नई दिल्ली | एजेंसी

केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) देश के कोयला उत्पादन क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में शामिल है और वित्त वर्ष 2025-26 में इसने भारत के कुल कोयला उत्पादन में लगभग 17 प्रतिशत योगदान दिया है। वहीं, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के कुल उत्पादन में एसईसीएल की हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत रही। कोयला मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के कोयला क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। पारदर्शिता बढ़ाने, परिचालन दक्षता सुधारने, तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास,

कारोबारी सुगमता और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई नीतिगत एवं संरचनात्मक सुधार लागू किए गए। इन कदमों के कारण खनन योजनाओं का आधुनिकीकरण हुआ, निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज हुई और कोयले की ढुलाई के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिली। इन सुधारों का असर राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दिया है। भारत ने वित्त वर्ष 2025-26 में लगातार दूसरे वर्ष 1 अरब टन से अधिक कोयला उत्पादन का महत्वपूर्ण आंकड़ा पार किया, और देश का कुल कोयला उत्पादन बढ़कर 1.04 अरब टन (अनंतिम) तक पहुंच गया। वर्तमान में भारत की लगभग 73 प्रतिशत बिजली उत्पादन जरूरतें कोयले पर आधारित हैं, इसलिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में इस

क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कोयला क्षेत्रों में परिचालन करने वाली सीआईएल की मिनी रत्न कंपनी एसईसीएल इस उपलब्धि की प्रमुख भागीदार रही है। स्थापना वर्ष 1985-86 में जहां कंपनी का उत्पादन केवल 34.2 मिलियन टन था, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 176.28 मिलियन टन तक पहुंच गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एसईसीएल का कोयला उत्पादन वित्त वर्ष 2013-14 के 124.26 मिलियन टन से बढ़कर 2025-26 में 176.28 मिलियन टन हो गया। इसी अवधि में कंपनी की कोयला आपूर्ति 122.03 मिलियन टन से बढ़कर 178.63 मिलियन टन पहुंच गई, जो 46 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाती है।

## आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस, जयपुर का 24वाँ दीक्षांत समारोह सम्पन्न



थुमुनकल, डॉयरेक्टर इन्टरनेशनल, आर्च, सिद्धार्थ मोहनती, कॉओर्डिनेटर, आर्च एवं समस्ट फेलल्टी एवं स्टॉफ उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन के डॉयरेक्टर अर्चना सुराणा ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने डिजाइन क्षेत्र में उभरते अवसरों, नवाचार, उद्यमिता और रचनात्मक नेतृत्व पर अपने विचार साझा किए। ARCH की निदेशक आर्चना सुराना ने दीक्षांत समारोह के अवसर पर कहा कि 'डिजाइन केवल एक कौशल नहीं, बल्कि सोचने, देखने और समाज में परिवर्तन लाने का तरीका है। हमारे विद्यार्थी आज केवल

### कॉन्वोकेशन के विभिन्न कटेगरी में अवार्ड्स प्रदान किये गए :

Best overall performance: Shagun Gupta, B.Des Interior design Innovative Student: Sukanya Sen, B.Des Fashion Design Academic Excellence award: Sakshi Biyani, Rishi Mehta, Ishika Lohia & Devanshi Rander, Bhumika Srivastava, Pranjal Thadnani Alumni E&cellence Award: Sukruti Banthia, Narendra Saini, Rohit Paliwal & Pooja Vijayvergiya इस अवसर पर वक्ताओं ने

डिजाइन क्षेत्र में उभरते अवसरों, नवाचार, उद्यमिता और रचनात्मक नेतृत्व की भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने छात्रों को बदलती वैश्विक रचनात्मक अर्थव्यवस्था में नई संभावनाओं को अपनाने और समाज में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। ARCH कॉलेज, जो इस वर्ष अपनी सिल्वर जुबली के 25 वर्षों की उपलब्धियोंका उत्सव मना रहा है, ने वर्षों से डिजाइन शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। कॉलेज द्वारा प्रस्तुत B-Des तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के Pearson BTEC कार्यक्रम, साथ ही उद्योग आधारित प्रोजेक्ट्स अंतरराष्ट्रीय सहयोग, और सुमुपया आधारित पहलें छात्रों को वास्तविक अनुभव और वैश्विक Exposure प्रदान करती हैं। दीक्षांत समारोह में छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, नवोन्मेषी प्रोजेक्ट्स और उपलब्धियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। समारोह का समापन छात्रों, अभिभावकों और फैकल्टी के बीच उल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ।

### पाकिस्तान को पान निर्यात में बड़ी गिरावट, श्रीलंका के किसानों पर संकट के बादल : रिपोर्ट

नई दिल्ली | एजेंसी

टैरिफ और रेगुलेटरी रुकावटों के बीच श्रीलंका के पान निर्यात सेक्टर को पाकिस्तान को होने वाले शिपमेंट और डॉलर की कमाई में भारी गिरावट का सामना करना पड़ा है, जो उसका मुख्य पान बाजार है।

‘श्रीलंका गार्डियन’ की रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यापार और कृषि एजेंसियों के बीच तालमेल की कमी से किसानों के लिए जरूरत से ज्यादा उत्पादन का जोखिम पैदा हो सकता है। पाकिस्तान को होने वाला निर्यात 2019 में 4,387.02 मीट्रिक टन से घटकर 2024 में 2,250.99 टन रह गया, और इसी दौरान निर्यात से होने वाली कमाई 17.77 मिलियन डॉलर से गिरकर 9.27 मिलियन डॉलर हो गई। 2025 में थोड़ी रिकवरी हुई और मात्रा 3,336.18 टन तथा रेवेन्यू 13.39 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, लेकिन ये आंकड़े 2019 के स्तर से काफी नीचे रहे। ऐसा तब हुआ जब मुफ्त प्लांटिंग मरीटियल और इन्वेस्टमेंट सब्सिडी के जरिए 2025 तक खेती का रकबा 44 प्रतिशत बढ़कर 1,676 हेक्टेयर हो गया था।

रिपोर्ट में कहा गया, ‘यह खेती के रकबे और निर्यात से होने वाली कमाई के बीच एक साफ विरोधाभास को दिखाता है। इसके अलावा, 2022-2023 के दौरान अमेरिकी

डॉलर में कमाई घटने के बावजूद एलकेआर (श्रीलंकाई रुपया) रेवेन्यू में जो बढ़ोतरी हुई, वह मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले श्रीलंकाई रुपये की कीमत घटने की वजह से थी।’ निर्यातकों ने बाजार तक पहुंच खोने के बारे में श्रीलंका के वाणिज्य विभाग के सामने चिंता जताई, लेकिन निर्यात कृषि विभाग ने कहा कि उसके विकास या रिसर्च डिवीजन ने पान के निर्यात पर पाकिस्तान के टैरिफ और आयात प्रतिबंधों के असर को लेकर कोई स्टडी नहीं की है। यह चिंता 28 जनवरी 2026 को वाणिज्य सचिव स्तर की बातचीत और 1 जुलाई, 2026 को व्यापार, निवेश और ऑटो सेक्टर पर संयुक्त कार्य समूह की चौथी बैठक के दौरान पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के सामने भी रखी गई थी। रिपोर्ट में आग्रह किया गया है कि श्रीलंका के पान निर्यात सेक्टर को बचाने के लिए वाणिज्य विभाग और निर्यात कृषि विभाग के बीच उचित तालमेल सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है, ‘एक्सपोर्टर्स के लिए टैरिफ से जुड़ी बाधाओं पर फील्ड स्टडी की जाए और पीएसएफटीए फ्रेमवर्क के तहत पाकिस्तान के रेगुलेटरी ड्यूटीज को 2030 तक टारने के बजाय जल्द हटाने के लिए डिप्लोमैटिक बातचीत को मजबूत किया जाए।

**RMCI** आरएमसी स्विचगियर्स लिमिटेड

रजिस्टर्ड ऑफिस: ससरा नंबर-163, 164, गांव-बड़ोदिया, तहसील-कोटखावक, जयपुर, राजस्थान, भारत, 303808

कॉर्पोरेट ऑफिस: B-11 (B&C) मालवीय इंडस्ट्रियल परीय, जयपुर-302017

ई-मेल ID: info@rmcindia.in, cs@rmcindia.in, CIN: L25111RJ1994PLC008698

वेबसाइट: www.rmcindia.in, संपर्क नंबर: 0141-4031516

पोस्टल बैटेल और रिमोट ई-नॉटिंग की जानकारी का नोटिस

प्रिय सदस्यों,

इसके द्वारा सूचित किया जात है कि कंपनी अधिनियम, 2013 ('अधिनियम') की धारा 108, 110 और अन्य लागू प्रावधानों (यदि कोई हो), तब ही कंपनी (पब्लिक और प्राइवेट) नियम, 2014 के नियम 20 और 22, भारतीय प्रभुता और विधिवत बॉन्ड (रिस्ट्रिक्टेड वॉररर और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) अधिनियम, 2015 ('रिस्ट्रिक्टेड अधिनियम'), इन्स्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया द्वारा जारी सामान्य बैटलों पर सेक्रेटेरियल स्टैंडर्ड ('SS-2'), सामान्य प्रिंटिंग संस्करण 03/2025 दिनांक 22 सितंबर, 2025 और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा इस संबंध में जारी पहले के परिचयों ('MCA परिचय') और अन्य लागू नियमों/विधियों/विशालिखितों/परिचयों/नोटिफिकेशन के अनुसार, आरएमसी स्विचगियर्स लिमिटेड ('कंपनी') पोस्टल बैटेल के माध्यम से, विशेष रूप से रिमोट इलेक्ट्रॉनिक नोटिंग ('ई-नॉटिंग') के जरिए, 12 सितंबर, 2026 के पोस्टल बैटेल नोटिस में बताए गए विशेष कामकाज पर कंपनी के सदस्यों की सहमति मांग रही है।

MCA परिचयों के अनुसार, पोस्टल बैटेल नोटिस के साथ व्यावसायिक बयान और ई-नॉटिंग के रिस्ट्रिक्टेड अधिनियम, 2013 के अनुच्छेद 44 के प्रावधानों का पालन करते हुए, कंपनी बुधवार, 4 सितंबर, 2026 तक शेयर रखने वाले सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं। इसके बाद CDSL द्वारा नोटिंग के लिए रिमोट ई-नॉटिंग नोटिफिकेशन को बंद कर दिया जाएगा और तब तक कंपनी के बंद इसकी अनुमति नहीं होगी। एक बार किसी सदस्य द्वारा किसी प्रस्ताव पर वोट डालने के बाद, सदस्य को बाद में उसे बदलने या वोटार वोट डालने की अनुमति नहीं होगी। सदस्यों के नोटिंग अधिकार वोट-ऑफ डेट पर कंपनी की पेड-अप इलेक्ट्री शेयर कैपिटल में उनके शेयरों के अनुपात में होंगे। जिस सदस्यों की ई-मेल आईडी डिजिटरी के पास नहीं है, वे भी पोस्टल बैटेल नोटिस में दी गई ई-नॉटिंग प्रक्रिया का पालन करके अपना वोट डाल सकते हैं।

किसी भी स्वतंत्र के मामले में: helpdesk.evoting@csindia.com पर ईमेल करें। सदस्य कंपनी सेक्रेटरी को इन ईमेल पते पर भी रिश्त सकते हैं: cs@rmcindia.in.

बॉन्ड ऑफ इयरेक्टर्स ने पोस्टल बैटेल नोटिंग प्रोसेस को नियंत्रण और पारदर्शी तरीके से चलाने के लिए प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी, CS सेवा रजिस्ट्रार (FCS: 10237) को स्थापित/बहाल नियुक्त किया है।

रिमोट ई-नॉटिंग के तरीके बुधवार, 14 अक्टूबर, 2026 को या उससे पहले घोषित किए जाएंगे। घोषित तरीकों और स्थापित/बहाल की रिपोर्ट को सदस्यों की जानकारी के लिए कंपनी की वेबसाइट (www.rmcindia.in), CDSL की वेबसाइट (https://www.cdslindia.com/) और उस स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट पर डाला जाएगा जहां कंपनी के शेयर रिस्टेड हैं, यानी BSE लिमिटेड (https://www.bseindia.com/) और NSE लिमिटेड (https://www.nseindia.com/)

जिस सदस्यों को पोस्टल बैटेल नोटिस नहीं मिला है, वे इसकी डुप्लीकेट कॉपी पाने के लिए कंपनी के रजिस्टर्ड ऑफिस या रजिस्ट्रार और ट्रान्स्फर एजेंट को रिश्त सकते हैं, या इसे कंपनी की वेबसाइट www.rmcindia.in या CDSL की वेबसाइट (https://www.cdslindia.com/) से डाउनलोड कर सकते हैं।

इस संबंध में सभी बातचीत/सवाल हमारे RTA, MUFUG Intime India Private Limited (जिसे पहले Link Intime India Private Limited के नाम से जाना जाता था) को उनके ईमेल पते पर rtm.helpdesk@in.mpmu.mufug.com पर भेजे जाने चाहिए।